हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, सोमवार 27 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सरकारी आवास में फंदे से लटका मिला वनकर्मी का शव, 3–4 दिन पुरानी बताई जा रही मौत

मण्डला। मंडला जिले के बीजाडांडी थाना क्षेत्र अंतर्गत कालपी डिपो में पदस्थ वनकर्मी छन्नू लाल झारिया का शव उनके सरकारी आवास में फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शव घर के दरवाजे पर फंदे से लटका हुआ मिला और उसकी स्थिति को देखकर आशंका जताई जा रही है कि मौत करीब 3 से 4 दिन पहले हुई होगी। घटना की सूचना मिलते ही बीजाडांडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके से साक्ष्य जुटाए गए हैं और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल वनकर्मी की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह आत्महत्या का मामला है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

मोहगांव विकासखंड की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर संकट

15 विद्यालय शिक्षक विहीन, 52 में एक ही शिक्षक

*** 9 स्कूलों में 10 से कम छात्र, 25 जर्जर भवन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विकासखंड मोहगांव की शासकीय विद्यालय व्यवस्था गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। जनपद शिक्षा केंद्र के आंकड़ों के अनुसार विकासखंड में 15 विद्यालय ऐसे हैं, जहां एक भी नियमित शिक्षक पदस्थ नहीं है, जबकि करीब 52 प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाईस्कूल केवल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे हैं। वहीं 9 प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की दर्ज संख्या मात्र 5 से 10 के बीच है। ऐसे में जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने कम नामांकन वाले विद्यालयों के समीपस्थ स्कूलों में विलय कर वहां पदस्थ शिक्षकों को

शिक्षकविहीन एवं शिक्षक की कमी वाले विद्यालयों में पदस्थ करने की मांग उठाई है।

जानकारी के अनुसार प्राथमिक शाला बैगाटोला (07), बीचटोला (इंद्रामाल) (06), भोईटोला (07), बैगाटोला (झुरगी) (09), डुगरिया टोला (रमखिरिया) (05), मत्ता टोला (09), साजा टोला (08), ऊपर टोला (बिंझी) (09) तथा जीपीएस (ईजीएस) कोटवार टोला (बड़झर) में विद्यार्थियों की संख्या अत्यंत कम है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन विद्यालयों के संचालन पर प्रतिमाह शासन का लाखों रुपये व्यय हो रहा है, जबकि इन्हें समीपस्थ विद्यालयों में समायोजित कर शिक्षकों की उपलब्धता बढ़ाई जा सकती है। जानकारी अनुसार इसकी सूचना बीआरसी द्वारा जिला शिक्षा केन्द्र को भेजी गयी है।

15 विद्यालयों में नहीं है एक भी नियमित शिक्षक

जनपद शिक्षा केंद्र मोहगांव के अंतर्गत संकुल चाबी, मोहगांव, मुनू एवं सिंगारपुर के कुल 15 विद्यालय शिक्षकविहीन हैं। इनमें एकीकृत हाईस्कूल झुरगी पोड़ी, प्राथमिक शाला पटेल टोला, प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला खाल्हे डिठौरी, आश्रम अंग्रेजी माध्यम बालिका प्राथमिक विद्यालय मोहगांव, बझडीह, कुंडा टोला (मलपहरी), गिठार मलपहरी, बखारी, कंटगा टोला, खीसी (मझगांव), कुटवार टोला, माध्यमिक शाला धनगांव, साजा टोला, रमपुरी, पीपरटोला (उमरिया) एवं आश्रम बॉयज़ उडारी शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि स्थानांतरण एवं संलग्नीकरण के बाद शिक्षकों की कमी और बढ़ गई है, जिससे इन विद्यालयों में नियमित अध्ययन-अध्यापन प्रभावित हो रहा है।

52 विद्यालय एकल शिक्षक के भरोसे

विकासखंड के करीब 52 विद्यालयों में केवल एक शिक्षक पदस्थ है। ऐसे विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिथि शिक्षकों की सेवाएं ली जा रही हैं, लेकिन इसे स्थायी समाधान नहीं माना जा रहा।

25 विद्यालय भवन जर्जर

विकासखंड की करीब 25 प्राथमिक शालाओं के भवन जर्जर हो चुके हैं। विभागीय निर्देशों के अनुसार जर्जर भवनों में विद्यालय संचालन नहीं किया जाना है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बीआरसी डॉ विनीत दुबे ने ऐसे विद्यालयों को निजी भवन, सामुदायिक भवन अथवा उपलब्ध आंगनबाड़ी केंद्रों में कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उनके द्वारा समय समय पर सतत निरीक्षण किया जा रहा।

इनका कहना-

विकासखंड में पहले से शिक्षकों की कमी थी, जिसे स्थानांतरण एवं संलग्नीकरण ने और बढ़ा दिया है। करीब 47 शिक्षकों का संलग्नीकरण किया गया है, जिससे से 38 शिक्षक विकास खंड में ही सुविधा अनुसार संलग्न किया गया है और 09 शिक्षकों दूसरे विकास में संलग्न किया गया है जिसकी शिकायत सहायक आयुक्त एवं कलेक्टर को की गयी है। लगातार निरीक्षण में कई विद्यालयों में शिक्षक अभाव, जर्जर भवन और अव्यवस्थाएं सामने आई हैं। उन्होंने कम नामांकन वाले विद्यालयों का युक्तियुक्त समायोजन कर शिक्षकों को शिक्षकविहीन विद्यालयों में पदस्थ करने की मांग की, ताकि शिक्षा व्यवस्था में सुधार हो सके।

-शिवकुमार मिश्रा, उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति अध्यक्ष, जनपद पंचायत मोहगांव, मण्डला

प्रधानमंत्री पर की अभद्र टिप्पणी, हुआ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सोशल मीडिया में कथित अभद्र टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता अजय चौरसिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंडला नगर के कार्यकर्ताओं की शिकायत पर शनिवार देर रात कोतवाली थाना मंडला में की गई है।

भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस आईटी सेल के पूर्व जिला अध्यक्ष अजय चौरसिया ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महिलाओं के संबंध में अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। भाजपा नगर अध्यक्ष रानू राजपूत ने बताया कि चौरसिया ने प्रधानमंत्री के खिलाफ गाली-गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए पोस्ट किए।

इस संबंध में भाजपा नगर अध्यक्ष रानू राजपूत ने कोतवाली थाने में लिखित शिकायत देकर आरोपी के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत दर्ज कराने के दौरान भाजपा के मीडिया प्रभारी सुधीर कसार, नगर महामंत्री सौरभ गुप्ता सहित मंडला नगर के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

कोतवाली थाना प्रभारी शफीक खान ने पुष्टि की कि भाजपा नगर महामंत्री सौरभ गुप्ता की शिकायत के आधार पर अजय चौरसिया के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों और संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट की पड़ताल के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

डेयरियों एवं मिठाई दुकानों का निरीक्षण, खाद्य पदार्थों के लिए नमूने

मण्डला। संयुक्त खाद्य सुरक्षा आयुक्त के निर्देशानुसार जिले में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. डी.जे. मोहंती के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने डेयरियों, मिठाई एवं बेकरी प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। अभियान के दौरान पेटेगांव स्थित दिनशा डेयरी प्राइवेट लिमिटेड से गाय के दूध, जलपान बेकरी एंड स्वीट्स से कुंदा एवं मिक्स नमकीन तथा जय हिंद दूध डेयरी से मिश्रित दूध एवं पनीर के नमूने लिए गए।

किसानों के साथ खेत में उतरीं मंत्री उईके, रोपा धान

मण्डला। प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके ने ग्राम पंचायत टिकरवारा पहुंचकर किसानों के साथ खेत में धान रोपाई की। उन्होंने किसानों के बीच समय बिताते हुए धान रोपाई के कार्य में सहभागिता की और उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि किसानों का अथक परिश्रम ही प्रदेश और देश की समृद्धि की आधारशिला है। खेत की मिट्टी से जुड़कर कार्य करने का अनुभव आत्मीयता और गर्व का एहसास कराता है। उन्होंने किसानों के परिश्रम की सराहना करते हुए खरीफ सीजन की सफल एवं भरपूर फसल की कामना की। मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि अन्नदाता के श्रम से ही हर घर तक अन्न पहुँचता है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि यह खरीफ सीजन सभी किसानों के लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

मिनी ट्रक एवं तूफान वाहन की आमने-सामने टक्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले के निवास-मंडला मार्ग पर रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ग्राम खारी और बकोरी के बीच घाट क्षेत्र में मिनी ट्रक (आयशर) और तूफान वाहन की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तूफान वाहन में सवार 8 यात्री घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल मंडला में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तूफान वाहन में करीब 9 यात्री सवार थे, जो मंडला के समीप स्थित ग्राम बिनैका धान रोपाई के कार्य के लिए जा रहे थे। इसी दौरान निवास की ओर से आ रहे मिनी ट्रक (आयशर) से बकोरी घाट के पास आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को वाहन से बाहर निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल मंडला पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

दुर्घटना में संगीता पन्द्राम (35 वर्ष), साल्हेपानी, राधा पन्द्रो (40 वर्ष), सम्मो बाई पन्द्राम (50 वर्ष), डोभी, दुर्गेश्वरी मरावी (20 वर्ष), तरवानी, विमलेश्वरी पन्द्रो (22 वर्ष), चतरा बम्हनी, उर्मिला वरकड़े (17 वर्ष), शियावती (60 वर्ष), डोभी, प्रेमवती (55 वर्ष), डोभी घायल हुये। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

बाल योग एवं ध्यान शिविर में बच्चों ने सीखे स्वस्थ जीवन के मंत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते एवं परियोजना अधिकारी श्रीमती रेखा सैयाम के मार्गदर्शन में परियोजना नैनपुर में बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से विशेष बाल योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग एवं प्राणायाम का अभ्यास किया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को भस्त्रिका, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम के साथ तितली आसन, वृक्षासन एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से बच्चों की मानसिक एकाग्रता, स्मरण शक्ति, शारीरिक संतुलन और लचीलापन बढ़ता है। साथ ही भस्त्रिका प्राणायाम शरीर में ऊर्जा का संचार कर तनाव कम करने में सहायक होता है तथा नियमित योग से रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है।

अव्यवस्था | **बस स्टैंड से कृषि उपज मंडी और रेडक्रॉस से बैगा बैगी चौक तक शौचालय नहीं।**

मुख्य बाजार में सार्वजनिक प्रसाधन का अभाव

*** नागरिकों ने की तत्काल व्यवस्था की मांग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नगर के सबसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र में सार्वजनिक प्रसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से स्थानीय व्यापारियों, ग्राहकों, महिलाओं, बुजुर्गों तथा बाहर से आने वाले लोगों को प्रतिदिन भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। नगर के प्रमुख बाजार क्षेत्र में बस स्टैंड से चिलमन चौक, चिलमन चौक से कृषि उपज मंडी, रेडक्रॉस से नेहरू स्मारक, बैगा बैगी चौक से लालीपुर तथा लालीपुर से बस स्टैंड तक कहीं भी पुरुष एवं महिलाओं के लिए सार्वजनिक प्रसाधन उपलब्ध नहीं हैं।

जानकारी के अनुसार, जिन व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में प्रसाधन की सुविधा नहीं है, वहां के दुकानदारों एवं ग्राहकों को मजबूरन बस स्टैंड, स्टेडियम मार्ग स्थित सुलभ शौचालय या पुरानी तहसील क्षेत्र तक जाना पड़ता है। इससे विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और दूर-दराज से आने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

चिलमन चौक से तहसील मार्ग कृषि कार्यालय के बीच सार्वजनिक प्रसाधन नहीं होने के कारण कुछ लोग विवश होकर सड़क किनारे खुले में लघुशंका करने लगते हैं। इससे महिलाओं को असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है, वहीं क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध की समस्या भी बनी रहती है।

इसी प्रकार रेडक्रॉस से बैगा बैगी चौक और नेहरू स्मारक तक भी सार्वजनिक प्रसाधन की कोई व्यवस्था नहीं है। बैगा बैगी चौक स्थित बंजर क्लब के सामने लोग खुले में लघुशंका करने को मजबूर हैं, जबकि यह क्षेत्र न्यायालय, कलेक्ट्रेट, जिला पंचायत सहित अनेक शासकीय कार्यालयों से जुड़ा हुआ है और यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों एवं ग्रामीणों का आवागमन होता है। महिलाओं के लिए यहां कोई समुचित सुविधा उपलब्ध नहीं है। व्यापारी संतोष तिवारी ने बताया कि पहले यहां नगरपालिका द्वारा प्रसाधन के डिब्बा रखा गया था किन्तु कुछ दिनों बाद उसे अलग कर दिए जाने से सभी को परेशानी हो रही है।

चिलमन चौक से पड़ाव मार्ग होते हुए कृषि उपज मंडी तक भी सार्वजनिक प्रसाधनों का अभाव बना हुआ है। इसके कारण लोग आसपास की गलियों का सहारा लेने को विवश हैं, जिससे स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन इस समस्या से भली-भांति परिचित होने के बावजूद अब तक मुख्य बाजार क्षेत्र में आवश्यक सार्वजनिक प्रसाधनों की व्यवस्था नहीं कर पाया है। उनका कहना है कि यदि नगर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाना है तो स्वच्छता अभियान के साथ-साथ आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का विस्तार भी किया जाना चाहिए।

नगरवासियों ने मांग की है कि मुख्य बाजार क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर पुरुष एवं महिलाओं के लिए पृथक-पृथक आधुनिक सार्वजनिक प्रसाधनों का शीघ्र निर्माण कराया जाए, ताकि नागरिकों को आवश्यक सुविधा मिलने के साथ-साथ नगर की स्वच्छता व्यवस्था भी सुदृढ़ हो सके।

इनका कहना है -

नगर में सार्वजनिक सुविधा घर (सुलभ कॉम्प्लेक्स) एवं पेशाब घरों की कमी से नागरिकों, व्यापारियों, महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों तथा बाहर से आने वाले लोगों को वर्षों से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त शौचालय व्यवस्था नहीं होने से लोगों को असुविधा होती है। नगर के प्रमुख स्थानों पर आधुनिक सार्वजनिक शौचालय एवं पेशाब घर स्थापित कर नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

-अखिलेश सोनी, समाज सेवी, मण्डला

12 सितम्बर को होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारियाँ तेज, प्रीसिटिंग बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारियों के तहत शनिवार को जिला न्यायालय मंडला में प्रीसिटिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कमल जोशी के निर्देशन तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तपन धारगा के मार्गदर्शन में हुआ। बैठक में सभी न्यायिक अधिकारियों को अधिक से अधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों की पहचान कर उनका निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में विशेष रूप से धारा 138 एन.आई. एक्ट (चेक बाउंस), मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण (एमएसीसी), सिविल, आपराधिक, पारिवारिक, भरण-पोषण, श्रम, राजस्व तथा अन्य समझौता योग्य मामलों को प्राथमिकता देते हुए अधिकाधिक प्रकरण चिन्हित करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही बैंक, नगरपालिका, विद्युत विभाग और बीएसएनएल से जुड़े प्रीलिटिगेशन मामलों के निराकरण की भी रणनीति बनाई गई।

बैठक में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय प्रकाशचंद्र आर्य, विशेष न्यायाधीश आर.के. रावतकर, जिला न्यायाधीश रमेश रंजन चौबे, तेजप्रताप सिंह, हेमराज सनोडिया, विवेकानंद त्रिवेदी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहम्मद जफर खान, न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा रहमान, डॉ. अल्तमश रहमान, मोहम्मद सैफी, श्रीमती शिवानी अग्रवाल एवं श्रीमती वत्सला प्रजापति उपस्थित रहे। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निवास, नैनपुर एवं भुआबिछिया न्यायालयों के न्यायिक अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में जिला विधिक सहायता अधिकारी विजय खोब्रागड़े, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अधिवक्ता सत्यनारायण मिश्रा, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अधिवक्ता एम.वाई. खोखर तथा एन.आई. एक्ट मामलों से जुड़े अधिवक्ता आलोक जैन एवं श्रीमती शक्ति विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के लिए सभी संबंधित पक्षों के समन्वित प्रयासों पर बल दिया गया।

खबर संक्षेप

यात्री प्रतिक्षालय न होने से यात्री हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ कौड़िया। एक ओर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व पंचायतों द्वारा अनेक निर्माण कार्य कराने का ढ़िंडोरा पीटा जा रहा है मगर वही दूसरी ओर लोग आज भी अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझते हुए देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर अनेक ग्रामों में देखा जाता है कि पंचायतों व जनप्रतिनियों द्वारा लाखों रूपया खर्च कर ऐसे निर्माण कार्य करा दिया जाते है जिनका कोई उपयोग ही नही होता है और जहां जिसकी मांग व जरूरत होती है वहां वह निर्माण कार्य नही हो पाने से जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है, कुछ इसी प्रकार की स्थिति जनपद पंचायत चावरपाठा के अंतर्गत ग्राम कौड़िया में देखने को मिल रही है। जहां क्षेत्रवासियों ने हरिभूमि को जानकारी देते हुये बताया है कि ग्राम कौड़िया बाजार मुहल्ला में के प्रमुख चौराहे पर प्रतीक्षालय न होने के कारण यात्रियों को यहां वहां चाय पान की दुकानों पर भटकना पड़ता है, जिसमें सबसे ज्यादा परेशानी का सामना महिला यात्रियों को उठाना पड़ता है,साथ ही साथ मनचले युवकों की छीटाकशी का भी शिकार होकर महिला यात्रियों को अपमान का कडवा जहर पीने मजबूर होती है, लोगों का कहना है कि शासन द्वारा बाजार मे यात्री प्रतिक्षालय की मांग लम्बे समय से की जा रही है। मगर इस ओर आज तक किसी भी जनप्रतिनिधि व नेता ने ध्यान नही दिया है, यदि गौर किया जावे तो कौड़यिा बाजार में प्रतिदिन कोठिया, लिलवानी, सूकरी, नरवारा, बिचुआ, चिर्रिया, महगवां, सडूमर, करहैया, सलैया, देगवा, सुपारी सहित अनेक गांवों के लोगों का आना जाना होता है,मगर यहां पर यात्री प्रतिक्षालय न होने के कारण यहां वहां भटकते रहते है जिसमें गर्मी के समय में तो यात्रियों को धूप की मार का भी सामना करना पड़ता है। वही दूसरी ओर साप्ताहित बाजार लगने के दिन शानिवार को स्थिति और भयानक हो जाती है, जिसके चलते क्षेत्र के लोगों ने शासन प्रशासन से शीघ्र यात्री प्रतिक्षालय बनाये जाने की मांग की गई है।

जहां तहां खुली नालियां बजा रहे खतरे की घंटी

हरिभूमि न्यूज/चीचली। इस समय नगर में देखा जा रहा है कि नपा द्वारा जहां तहां निर्माण कार्य तो किये जा रहे है, मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर में बन रही नालियों को बंद नही किये जाने के कारण वह आमजन के लिए खतरा की घंटी बजा रही है, जिसके चलते जहां आये दिन इन खुली पड़ी नालियों में मवेशी गिरकर घायल हो रहे है, वही दूसरी ओर वाहन चालक भी गिरकर घायल होने से नही बच पा रहे है, अब यह पता नही है कि यह नगरपालिका की उदासीनता का परिणाम है कि या फिर ठेकेदारों की मनमानी का? मगर सच्चाई यह है कि इस प्रकार से नगर में जहां तहां खुली पड़ी नालियों के चलते आमजन के जान के लिए खतरा जरूर बना हुआ है। इस बात की सच्चाई गत दिवस नगर के एक वार्ड में देखने मिली है, जहां पर मुख्य सड़क के किनारे बनी इस नाली में एक स्कूटी सवार व्यक्ति की अचानक गाडी जाकर नाली में गिर गई, जिसको उपस्थित लोगों द्वारा तुरंत निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा होने से तो टल गया, मगर अब साबल यह उठता है कि नगर में सभी नालियों के पास इस प्रकार से सदा ही लोग किसी के जान बचाने के लिए तो खड़े रहेगे नही? जिसके चलते नपा से अपेक्षा की जाती है कि नगर में बन रही नालियों के निर्माण के दौरान ही उन्हें ऊपर से पेक कराये जाने की योजना बनाई जावे, जिससे लोगों की जिन्दगी खतरे में न पड सके।

क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वृद्धावस्था पेंशन योजना से वंचित है पात्र हितग्राही

सालीचौका। शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्ध महिलाओं व पुरूषों की हालत दिन पर दिन दयनीय व पीड़ा दायक होती जा रही है, इस हेतु शासन ने वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू की थी मगर देखा जा रहा है कि शासन की इस योजना को पंचायत में बैठे कर्णधारों द्वारा शासन के नियमों को अनदेखा कर पात्रजनों को इसका लाभ ना देकर अपात्रों को दिया जा रहा है? शासन की कई अन्य योजनायें भाई-भतीजावाद की शिकार हो रही हैं जिसके कारण आज इन वृद्धों को शासन की अनेक योजनायें चलने के बाद भी भूखों रहने की नौबत आ रही है। शासन द्वारा वृद्धों के लिये वृद्धावस्था सुरक्षा पेंशन का फार्म निकालकर यह नियम लागू किया गया था।

दादा धूनी वालों की नगरी की सड़कों से लेकर झिकोली पुल के ऊपर चौपायों का आतंक

धमाचौकड़ी से स्कूली छात्र छात्राओं सहित वाहन चालक परेशान

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

भले ही नगर परिषद प्रशासन द्वारा शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण को सफल बनाने के लिये शहर की दीवारों पर सुन्दर लेखन कराते हुये नई नबेली दुल्हन की तरह सजाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। वही दूसरी नगर के मुखिया द्वारा नगर विकास की सोच के तहत कार्य किया जा रहा है। जिसके चलते नगर परिषद लगातार सफलताओं की ओर अग्रसर होते हुये अपना नाम रोशन करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। मगर दूसरी ओर देखा जा रहा है कि शहर की सड़को से लेकर शासकीय कार्यालयों में आमजन के जीवन को खतरा पैदा करने वाले आवरा पशुओं की मटर गस्ती में अंकुश लगाने में असफल रहने के कारण शहर की सुन्दरता को ग्रहण तो लग ही रहा है दूसरी ओर आमजन की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा होने से नही चूक रहा है..? बरसात का मौसम हो या फिर गर्मी चाहे ठंड का मौसम मगर आवारा पशुओं को अक्सर सड़को पर ही देखा जाता है। अब चाहे वह गाय हो या फिर भैस, कुत्ता, बकरी या अन्य चौपाये जो नगर की सड़कों पर ही नजर आते है...? इसकी वजह यह होती है कि इन आवारा चौपायो को विपरीत मौसम में छिपने छिपाने के स्थानों का अभाव होता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि चल रहे बारिश का मौसम में जहां यह पशु रात के समय सड़क किनारे लगे हुये पेड़ो के नीचे आराम फरमाते हुये देखे जाते है तो सुबह होते ही सड़को के बीचो बीच भ्रमण करते हुये आमजन के लिये खतरा पैदा करने से नही चूक रहे है? इस स्थिति के चलते सबसे अधिक परेशानियों का सामना स्कूल छात्र छात्राओं सहित वाहन चालकों को करने के लिए मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि यह चौपाये कई बार दुर्घटनाओं का कारण बनते है। इस प्रकार से नगर की सड़को पर अपना साम्राज्य स्थापित करने वाले इन पशुओं पर अंकुश लगाने के लिये अनेको बार मांग की जा चुकी है। परंतु शायद इसकी परवाह किसी को नही रहती जो इस समस्या से लोगों को निजात दिलाने का जिम्मा उठा सके..? वैसे भी गौर किया जावे तो इस प्रकार से आवरा पशुओं से नगर में फैल रही अव्यवस्था के लिये काफी हद तक वे पशु मालिक भी जिम्मेदार है..? जो अपने पशुओं को घी दूध खाने के लिए पालने का शौंक तो करते है मगर और इसके बाद उन्हें आवारा सड़को पर घूमने के लिए छोड़ देते है जो आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा साबित होने से नही चूकते है। वही लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन इस ओर सख्त कदम उठाते हुए पशु मालिकों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्यवाही करने की शुरूआत कर दे तो निश्चित तौर से इन आवारा पशुओं पर अंकुश लग सकता है। मगर अभी तक इस प्रकार की कोई ठोस कार्यवाही नही होने का परिणाम है कि पशु मालिको के हौसले बुलंद है और यही कारण है कि यह समस्या हमेशा बनी रहती है। क्योंकि शहर में है आवारा चौपायों की फौज नगर की अधिकांश सड़कों पर डेरा जमाये रहती है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के मुख्य मार्ग के आलवा, पुलिस थाना परिसर, झिकोली मार्ग के आलवा नर्मदा पुल सहित गाडरवारा की ओर जाने वाले मार्ग, शमशान घाट, शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र के पास, जनपद कार्यालय के समीप सहित क्षेत्र के अन्य गांवों को पहुंचने वाले मार्गो सहित अनेक मुख्य मार्ग पर तो इनका जमावडा हमेशा ही बना रहता है। जबकि गौर किया जावे तो नगर के मुख्य मार्ग जो स्टैट स्तर का माना जाता है। इस मार्ग पर तो इनका आतंक इस तरह होता है कि इनके आतंक के चलते आम आदमी की बात तो दूर वाहन चालकों के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कभी कभी तो स्थिति यह तक देखने मिलती है कि जब पशु आपस में लडते हुए वाहन से टकरा जाते है तो वाहन चालक घायल तक हो जाते है। गली मुलल्लो में सुअरों का आतंक-आवारा गाय, बैल जहां नगर की सड़कों में आतंक मचाते हुए घूम रहे है। वही नगर के गली मुहल्लों में सुअरों का आतंक भी काफी हद तक देखने मिल रहा है जहां ये सुअर लोगों को नुकसान पहुंचाते है। वही इनकी आवरगी से बीमारियां बढ़ने की पूरी संभावना है..? वैसे भी देखा जावे तो इस मौसम में जिस प्रकार से मौसमी व गंभीर बीमारी का भय बना हुआ है, उसके चलते इन सुअरों का आतंक खासतौर पर आवारा सुअर नगर के अन्य स्थानों स्वान फलु जैसी बीमारी को आमंत्रण देने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? कुत्तों की फौज द्वारा भी मचाया जा रहा आंतक- वही दूसरी ओर नगर की आम जनता आवारा पशुओं के साथ साथ नगर में जहां तहां दर्जनों की संख्या में भ्रमण करने वाली कुत्तो की फौज से भी परेशान होने से नही बच पा रही है। इस प्रकार से नगर के प्रमुख मार्गो से लेकर कालोनियों व मुहल्लों में घूम रही कुत्तों की फौज के चलते देखा जा रहा है कि नगर की गलियों से लेकर कालोनियों में दर्जन भर से अधिक कुत्तों की यह फौज इन दिनों नगर की सड़कों पर आंतक मचाये हुये है। इनकी धमाचौकड़ी से जहां राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है वही महिलाये, बच्चे इनसे अतंकित होते हुये देखे जा रहे है, अनेको बार तो देखा जाता है कि जब लोग रास्तों से निकलते होते है तो यह कुत्ता उन्हें काटने से भी नही चूकते है। इस स्थिति में अपने स्कूलों को आने जाने वाले मासूम बच्चों को रास्तों से निकलने में दहशत की स्थिति निर्मित होने से नही चूक पा रही है? इस प्रकार से नगर में लगातार बढ़ रहे आवारा पशुओं की धमाचौकड़ी सहित सुअरो व कुत्तो के आम लोगों द्वारा प्रशासन से अपेक्षा जताते हुये मांग की गई है कि वह उचित कदम उठाते हुये कोई ठोस कार्यवाही की जावे जिससे आम लोगों में लगातार फैल रही दहशत से निजात मिल सके।

अब बडे महानगरों की तर्ज पर अब छोटे शहरों से लेकर गांव गांव में फैल रहा है नशे का अवैध कारोबार चिंताजनक ...

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। शराब के बाद शहर में अन्य नशीली चीजो की बिक्री में इजाफा होने से युवा पीढ़ी बर्बाद होने की कगार पर आने लगी है? युवा जिस तरह के नशें की चपेट में आते हुये देखे जा रहे है उसकी सच्चाई बडे महानगरों के तरह सिर्फ फिल्मों में ही देखने मिलती थी। मगर अब हमारे छोटे नगरों से लेकर गांव गांव में जो हकीकत देखी जा रही है वह निश्चित तौर से चिंता जनक साबित होने से नही चूक रहे है..? फिल्मों में दिखाई देने वाले नशें का कारोबार तर्ज पर युवाओं को गांजे की कश लगाते हुये देखने के साथ साथ स्मैक पावड़र का सेवन करते हुये दिखाई देना कोई बड़ी बात नही रही है..? इस तरह गांजा पावडर क्षेत्र में आसानी से मिलने के साथ दुकानों पर विक्रय हो रही विदेशी महँगी सिगरेटो के फूंकने के दौरान युवाओं,किशोरो का लगभग नियमित मदिरा पान करने से घरो का माहौल बिगड़नें की जहां शुरूआत हो गयी है? वही क्षेत्रवासी भी अपने क्षेत्र के युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आने लगे है। भरोसे मंद सूत्रो के अनुसार इन दिनों नशे के कारोबार में नया मोड़ आ गया है तथा तत्वो द्वारा स्मैक तथा अन्य ऐसे नशीले पदार्थ भी बेचे जाने लगे है..? जिनका उपयोग युवाओं के घातक होने के साथ साथ पूरे परिवार को बर्बादी की ओर ले जाने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। मगर इसके बाद भी बताया जात है कि इन पदार्थो का पहली बार प्रयोग करने के बाद गरीब, युवा इसके आदि हो जाते है और इन नशीली चीजो के न मिलने से उनका शरीर छटपटाने लगता है। विदित हुआ है कि आजकल युवक बेधड़क नशीली दवाओं व इंजेक्शनों का इस्तेमाल कर रहे है और कथित तौर पर नशा करने के लिए उनकी तरफ डबल रोटी के स्लाईस पर आयोडेक्स भी खाया जा रहा है? जागरूक शहरवासियो का कहना है कि पुलिस लिखा पढ़ी सें बचने नशे के कारोबार पर प्रतिबंध लगाने प्रयास नही कर रही है, जिसका नतीजा है कि नशीली चीजें बिकने से नगर का वातावरण खराब होने के साथ अधिकतर वे युवा बर्बादी की राह पर कदम बढ़ा रहे है जिनके कंधो पर बूढ़े मॉ, बाप, भाई, बहिनो की देखभाल की सीधी जिम्मेदारी है, फिलहाल शहर में नशीली चीजो की बिक्री की रोकथाम की गुहार उठने लगी है, जिसे गंभीरता से सुन पुलिस को अब नशीली चीजो के विक्रय पर रोक लगाना जरूरी हो गया है।

गायत्री मंदिर में आयोजित हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। स्थानीय गायत्री मंदिर में बीते हुये दिवस जिला समन्वय समिति नरसिंहपुर का एक दिवसीय प्रशिक्षण सह गोष्ठी कार्यक्रम गायत्री शक्तिपीठ द्वारा आयोजित किया गया। बताया जाता है कि प्रशिक्षण में जिले भर से आये गायत्री परिजनों द्वारा अपनी अपनी तहसील स्तरीय गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। प्रशिक्षक के रूप में उपजोन प्रभारी नरेश तिवारी जबलपुर,प्रांतीय युवा मंडल प्रभारी प्रकाश सेन, थम्मन सिंह शर्मा मुख्य प्रबंध ट्रस्टी नरसिंहपुर, उपजोन प्रशिक्षण प्रभारी वृन्दावन पटेल द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। वही अंत में सभी तहसील समन्वयकों को आगामी तीन माह के लिए मिशन से जुड़ी गतिविधियों यथा गृहे गृहे गायत्री यज्ञ, वृक्ष गंगा अभियान, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा, साधना व स्वाध्याय, माता भगवती देवी जन्म शताब्दी वर्ष के आयोजन एवं शांति कुंज में संचालित प्रशिक्षणों में सहभागिता के संकल्प निर्धारित किये गये। साथ ही नवगठित ट्रस्ट मंडल को उत्कृष्ट कार्यो हेतु प्रतिनिधित्व स्वरूप मुख्य ट्रस्टी एम सी शर्मा,सह प्रबंध ट्रस्टी सुरेश गुप्ता, सहायक राजेश कुमार कौरव को सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण में नरसिंहपुर,करेली, तेंदूखेड़ा, गोटेगांव, गाडरवारा से तहसील स्तरीय समंवय समिति सदस्यों के अलावा सुरेन्द्र सिंह राजपूत एडवोकेट,जिला समन्वयक रामकुमार ठाकुर, आर एस शर्मा, वीरेन्द्र पटेल,यशपाल राजपूत,तह समन्वयक गीता प्रसाद कौरव, अखलेश शर्मा, शिवम सोनी, मूलचंद पटेल परिव्राजक, श्रीमती राजकुमारी कौरव करेली, गोविंद कौरव,भाव सिंह वर्मा, गोपाल कौरव की सहभागिता रही।

बाबा ताजुद्दीन औलिया की शान में हुआ आम लंगर का आयोजन, जायरीनों ने ग्रहण किया तबर्रुक

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। सूफी संतों की इंसानियत, मोहब्बत और खिदमत को घर-घर तक पहुंचाने के मकसद से वीजासेन वार्ड स्थित हजरत सैय्यद बाबा की दरगाह शरीफ के सामने नागपुर के प्रसिद्ध वली हजरत बाबा ताजुद्दीन औलिया (र.अ.) की शान में आम लंगर का आयोजन किया गया। इस मौके पर अकीदत, इबादत और भाईचारे के इस संगम में सैकड़ों जायरीनों ने शिरकत कर लंगर का तबर्रुक ग्रहण किया और सवाबे दारेन हासिल किया। यह मुबारक आयोजन शेख गफ्फार और रिजवान खान हिम की जानिब से किया गया था। मगरिब की नमाज के बाद दरगाह पर नियाज-फातेहा की रस्म अदब के साथ अदा की गई। दुआ और सलातो-सलाम के बाद लंगर का आगाज किया गया। आयोजकों ने बताया कि यह लंगर बाबा ताजुद्दीन औलिया के उर्स की मुबारक याद में किया गया। इसका पैगाम है की जात-पात, अमीर-गरीब का भेद मिटाकर सभी इंसान एक दस्तरख्वान पर बैठें। लंगर देर रात तक जारी रहा और हर आने वाले जायरीन को बड़े अदब और मोहब्बत के साथ खाना खिलाया गया। लंगर के साथ-साथ पूरा दरगाह परिसर सूफियाना कलाम और शहनाई की सुरीली धुनों से गूंजता रहा। विशेष रूप से जबलपुर से आए शहनाई वादकों ने बाबा ताजुद्दीन औलिया की शान में या ताज के रखना लाज, तेरे दीवाने आए है जैसे मशहूर कलाम पेश कर माहौल को अकीदत से भर दिया। इस मौके पर बुजुर्गाने दीन से निस्बत रखने वाले लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। बाबा की आमद के समय दरबार में जायरीनों का हुजूम देखने काबिल था। देर रात तक दरबार में शहनाई की सुरीली धुन गूंजती रहीं। यहां सर्वधर्म सद्भावना की अनोखी मिसाल देखने को मिली, जहां हर मजहब और वर्ग के लोग बाबा के दर पर नजर आये। इस आयोजन की सबसे खूबसूरत बात युवाओं का जज्बा रहा। लंगर की व्यवस्था, साफ-सफाई, पानी पिलाने और जायरीनों की खिदमत में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ग्रामीण क्षेत्र में हुये मिट्टी के अवैध खनन के चलते जहां तहां हवा में झूलते हुये नजर ओ रही बिजली के खम्बे..

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। अक्सर देखा जाता है कि जब कोई बड़ी घटना घटित हो जाती है तो उस घटना पर दुख व्यक्त करते हुये नेताओं से लेकर अधिकारियों को भी देखा जाता है। दूसरी ओर दोषियों की खोजबीन का भरोसा दिलाते हुये कार्यवाही के लिये टीमों का गठन करने में भी कोई कसर नही छोड़ी जाती है..? मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जिस जगह किसी बड़ी घटना घटित होने की संभावना बन रही हो और यदि समय रहते हुये उसमें सुधार कर दिया जावे तो निश्चित ही बड़ी घटना को घटित होने से रोका जा सकता है..? इस सच्चाई को जिम्मेदार लोगों के साथ अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किये जाने का ही परिणाम रहता है कि बड़ी घटनाये घटित होकर लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूकती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रही है। क्योंकि पूर्व के समय में शहर के आसपास से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में खुलेआम हुये मिट्टी के अवैध खनन के चलते खनन माफियों द्वारा उन स्थानों की सच्चाई को नजर अंदाज करते हुये की गई मिट्टी खुदाई के चलते गांवों में होने वाली बिजली सप्लाई के खम्बों के आस पास की जगहों को भी नही छोड़ा गया है जिसका परिणाम है कि बिजली खम्बे हवा में झूलते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे है..? इस तरह विभाग की अनदेखी के चलते किसी दिन बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..। बताया जाता है कि शहर के आसपास सहित क्षेत्र के अनेक गांवों में पूर्व में समय में बड़े स्तर पर हुये मिट्टी के अवैध खनन के दौरान मिट्टी कारोबारियों द्वारा निकली हुई 11 के व्ही लाईन के खम्बों के पास किये गये मिट्टी के खनन का परिणाम है कि इस समय लाईन के खम्बे जहां अधर में लटके हुये नजर आने से नही चूक रहे है। मामला यहां तक ही सीमित नही है। इस तरह की सच्चाई क्षेत्र का भ्रमण करने के दौरान अनेक जगहो पर आसानी से देखने मिल सकती है...? इन्ही खम्बों के पास से कच्चे व पक्के मार्ग होने के कारण लोगों का प्रतिदिन आना जाना होता है तो दूसरी ओर क्षेत्र के किसान भी इन्ही मार्गो से अपने खेतों को पहुंचते हुये देखे जाते है। इस समय चल रहे बारिश के सीजन में अधर में लटके हुये इन खम्बों के पास से निकलने में जहां ग्रामीणों को दहशत में देखे जा रहे है।

शिक्षक संस्थाओं के पास साफ सफाई नहीं रहने से जहरीले जीव जंतु कर शालाओं में प्रवेश

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। भले ही शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में हर साल करोडो रूपया खर्च करते हुये स्कूलों को हाई टेक करने के साथ भवनों के निर्माण को सुन्दर से अति सुन्दर बनाया जा रहा है। मगर ग्रामीण क्षेत्रों में बनाये जाने वाले इन शिक्षा भवनों की जगह चिन्हित किये जाने के दौरान होने वाली अनदेखी का परिणाम होता है कि बारिश के दिनों में शिक्षण संस्थाओं के अंदर जहरीले कीट अवपस डेरा जमाने से नही चूकते है। क्योंकि अनेक शिक्षण संस्था इस तरह के स्थानों पर निर्मित की गई है वह गांव से बाहर होने के साथ साथ उस क्षेत्र में फैली हुई झाडियों के बीच आये दिन बीषधरों की चहल पहल बनी रहती है और वह बारिश के दौरान इन शिक्षण संस्थाओं अपना डेरा जमाने से चूकते है। इस तरह शिक्षण संस्थाओं में जहरीले कीटों के प्रवेश करने के कारण स्कूली बच्चों में दहशत दिखाई देती है तो दूसरी ओर उनकी जान को खतरा पैदा होने से नही चूकता है? वही दूसरी ओर देखा जाता है कि जब कोई छात्र छात्रा इस तरह शाला भवन के अंदर किसी जहरीले कीट यानि की सांप गुहेटे को देख लेते है तो बच्चों के दिलों में डर इस तरह समा जाता है कि वह कई दिनों तक स्कूल जने का मन नही बना पाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम के शासकीय माध्यमिक शाला में देखने मिला जब बच्चों ने एक गुहेटे को देखा तो बच्चे दहशत के बीच चिल्लाने लगे। इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया जाता है कि इस संस्था में गुहेरों के आतंक से शिक्षक एवं छात्र छात्राएँ परेशान देखे जा रहे है। शाला के प्रधान पाठक ने बताया कि अभी तक 3 गुहेरे निकल चुके है जिसके चलते बच्चे घबरा जाते है। पिछले दिनों एक बड़ी गोह आकर कक्षाओं में घुस गई थी जिसके चलते बच्चे घबराकर बाहर निकल आये तभी ग्राम के एक युवक से गोह को पकड़वाया गया एवं अन्यत्र कही छोड़ा गया। बताया जाता है कि शिक्षण संस्था के समीप से ही कच्चा नाला बहता है जिसके चलते उमस एवं बारिश के कारण इस तरह के जहरीले कट आये दिन स्कूल के अंदर प्रवेश करने से नही चूकते है।

बारिश के मौसम में अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। जहां एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा बिजली कटौती न करने के लिये लगातार बिजली विभाग के अधिकारियों के निर्देश दिये जा रहे है। मगर इसके बाद भी बिजली विभाग के अधिकारियों की मनमानी के चलते लोगों के अघोषित बिजली कटौती का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो इस समय चल रहे बारिश के मौसम में हो रही बिजली कटौती के चलते जहां लोग उमस भरी गर्मी से परेशान होने के साथ साथ निकल रहे जहरीले कीडों का शिकार होने से नही बच पा रहे है? इस प्रकार से खुलरी सहित क्षेत्र के अनेक गांवों में हो रही बिजली की अघोषित कटौती के चलते लोगों का बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश बढ़ते हुये दिखाई देने लगा है? क्योंकि रात के समय होने वाली इस बिजली कटौती के संबंध में जब अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा अपना फोन उठाना भी उचित नही समझा जाता है, इस बात की सच्चाई बीते दिवस उस समय देखने मिली जब खुलरी स्थित पावर हाऊस तक तो बिजली सप्लाई चल रही थी, मगर खुलरी सहित क्षेत्र के अनेक गांवों की अचानक बिजली बंद रहने के कारण सारी रात लोगों को अंधेरे में अपनी रात काटने के लिये मजबूर होना पड़ा, इस प्रकार से बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा अपनाई जा रही तानाशाही पूर्ण कार्य प्रणाली के चलते प्रदेश सरकार द्वारा लोगों को बिजली उपलब्ध कराने में असफल रहने वाली 15 वर्ष पहले की छबि को याद दिलाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है?

खबर संक्षेप

स्कूल में बच्चों को सिखाए स्वच्छता के गुर

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद पसान के तत्वावधान में शनिवार को शासकीय प्राथमिक विद्यालय जमुना कालरी में 'स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के तहत विशेष स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राम अवध सिंह एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशांक आर्मो के निर्देशानुसार सहयोगी संस्था शुभम सेवी संस्थान के कार्यकर्ताओं ने विद्यार्थियों को स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा और हाथ धोने के सही तरीके की जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में कम उम्र से ही स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। संस्था के सदस्यों ने बच्चों को समझाया कि स्वच्छता केवल किसी विशेष दिन या अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना जरूरी है। बच्चों को विद्यालय, घर और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। बरसात के मौसम में संक्रमण एवं विभिन्न मौसमी बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए विद्यार्थियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई। बच्चों को बताया गया कि साफ पानी का उपयोग, आसपास गंदगी न होने देना और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

30 जुलाई को स्टैडिंग कमेटी की बैठक

उमरिया। नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का अंतिम प्रकाशन 30 जुलाई को किया जाएगा। इस संबंध में स्टैडिंग कमेटी की बैठक 30 जुलाई को दोपहर 12 बजे से कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियो से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

30 जुलाई को सामान्य सभा एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठक

उमरिया। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा की बैठक 30 जुलाई को अपरान्ह 1 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष मे आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

जिले में गत 24 घंटे में 19.5 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि गत 24 घंटे में 19.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बांधवगढ़ तहसील में 15.8 मिमी, मानपुर तहसील में 8.4 मिमी, पाली तहसील में 61.2 मिमी, नौरोजाबाद तहसील में 26.8 मिमी, चंदिया में 8.1 मिमी, करकेली तहसील में 12.8 मिमी, बिलासपुर तहसील में 3.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 1 जून से लेकर 22 जुलाई तक 383.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 519.2 मिमी, मानपुर तहसील में 267.7 मिमी, पाली तहसील में 454 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 406 मिमी, चंदिया तहसील में 287.5 मिमी, करकेली तहसील में 458.4 मिमी, बिलासपुर तहसील में 291.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि तक 746.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 686.7 मिमी, मानपुर तहसील में 771.3 मिमी, पाली तहसील में 689.9 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 680.8 मिमी, चंदिया तहसील में 854.1 मिमी, करकेली तहसील में 689.6 मिमी, बिलासपुर तहसील में 845.2 मिमी वर्षा शामिल है।

सर्पदंश से 80 वर्षीय वृद्धा की मौत, घर में सोते समय जहरीले सांप ने काटा

कोतमा। थाना क्षेत्र के बुढानपुर पतेरा टोला गांव में शनिवार शाम सर्पदंश से एक 80 वर्षीय वृद्धा की मौत हो गई। मृतका की पहचान पंचुइया चौधरी (80), पति गट्टा चौधरी, के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पंचुइया चौधरी घर में तख्त पर सो रही थीं। इसी दौरान एक जहरीले सांप ने उनकी पीठ पर काट लिया। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और देखा कि वृद्धा को सांप ने डंस लिया है। सर्पदंश के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने सर्प प्रहरी हरिवंश पटेल को सूचना दी। उन्होंने काफी मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित पकड़कर जंगल में छोड़ दिया। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया।

श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ से धर्ममय हुआ नगर

28 जुलाई को पूर्णाहुति एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठानों के साथ होगा भव्य समापन

डिंडौरी।

जैन धर्म के परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की पावन परंपरा एवं नवाचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से आयोजित श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में जारी है। 20 से 28 जुलाई तक चल रहे इस महाअनुष्ठान में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं।आर्यिका माँ 105 उपशांतमती माताजी ससंघ के मंगल सान्निध्य तथा विधानाचार्य पं. प्रदीप शास्त्री, बीना (म.प्र.) के निर्देशन में आयोजित इस धार्मिक आयोजन ने पूरे नगर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया है। प्रतिदिन सिद्ध परमेष्ठियों की आराधना, पूजन एवं विधान के साथ धार्मिक प्रवचन, भक्ति संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हो रहे हैं।

विद्या श्री साड़ीज परिवार के सौजन्य तथा सकल जैन समाज के सहयोग से आयोजित इस महायज्ञ में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। आयोजन का सौभाग्य संजीव जैन, श्रीमती ज्योति जैन, प्रतीक जैन, शिवाली जैन, सम्यक जैन, अभ्या जैन, सार्थक जैन, अनुश्री जैन, सेजल जैन, सार्विल जैन एवं समस्त पंचरत्न परिवार को प्राप्त हुआ है।महायज्ञ के माध्यम से विश्वशांति, आत्मकल्याण और मानवीय मूल्यों का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। आयोजन की व्यवस्थाओं में समाज के पदाधिकारियों, युवाओं, महिला मंडल एवं स्वयंसेवकों का सराहनीय सहयोग मिल रहा है, जिससे संपूर्ण कार्यक्रम धार्मिक गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न हो रहा है।महायज्ञ का भव्य समापन 28 जुलाई को विशेष पूजन, पूर्णाहुति, महाआरती एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के साथ होगा आयोजक परिवार एवं सकल जैन समाज ने धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से सपरिवार उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

राशि स्वीकृत , भूमि पूजन भी संपन्न , फिर भी निर्माण कार्य ठप

भूमि पूजन के बाद भी शुरू नहीं हुआ शहपुरा जनपद पंचायत के नए भवन का निर्माण

शहपुरा। शासन की महत्वाकांक्षी जनपद पंचायत भवन निर्माण योजना के तहत शहपुरा के लिए नए भवन की स्वीकृति मिलने, राशि मंजूर होने और विधिवत भूमि पूजन संपन्न होने के बावजूद निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो सका है। परियोजना में हो रही लगातार देरी को लेकर क्षेत्र में सवाल उठने लगे हैं और आमजन प्रशासन से स्पष्ट जवाब की अपेक्षा कर रहे हैं।जानकारी के अनुसार भवन निर्माण के लिए आवश्यक प्रशासनिक स्वीकृतियां मिलने के बाद भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसके बाद जल्द निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद थी, लेकिन महीनों बीत जाने के बावजूद निर्माण स्थल पर कोई गतिविधि नजर नहीं आ रही है। न तो निर्माण एजेंसी ने काम शुरू किया है और न ही विभाग की ओर से देरी के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक की गई है।

सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित निर्माण स्थल को लेकर विभिन्न स्तरों पर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हालांकि संबंधित विभाग ने इस संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। ऐसे में क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं और परियोजना

की प्रगति पर सवाल उठ रहे हैं। लोग यह जानना चाहते हैं कि यदि भूमि चयन अथवा अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी नहीं हुई थीं, तो भूमि पूजन किस आधार पर कराया गया। वहीं यदि सभी प्रक्रियाएं पूर्ण हो चुकी थीं, तो निर्माण कार्य अब तक शुरू क्यों नहीं किया गया।गौरतलब है कि डिंडौरी जिले की अन्य जनपद पंचायतों में नए भवनों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और कई स्थानों पर तेजी से जारी है। ऐसे में केवल शहपुरा जनपद पंचायत भवन का निर्माण लंबित रहना स्थानीय लोगों की नाराजगी का कारण बन रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि जब जिले के अन्य जनपदों में निर्माण कार्य गति पकड़ चुका है, तो शहपुरा में देरी का कारण स्पष्ट किया जाना चाहिए।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार वर्तमान जनपद पंचायत भवन में जगह और संसाधनों की कमी के कारण आम लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नया भवन बनने से पंचायत की कार्यप्रणाली अधिक व्यवस्थित होगी, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा तथा ग्रामीणों को योजनाओं और सेवाओं का लाभ भी आसानी से मिल सकेगा। लेकिन निर्माण कार्य में हो रही देरी से लोगों की उम्मीदें लगातार टूट रही हैं।अब क्षेत्रवासी जिला प्रशासन, जनपद पंचायत और संबंधित निर्माण एजेंसी से स्पष्ट जवाब चाहते हैं। यदि किसी प्रकार की तकनीकी, प्रशासनिक या भूमि संबंधी बाधा है, तो उसे सार्वजनिक कर शीघ्र दूर किया जाए। वहीं यदि कोई बाधा नहीं है, तो निर्माण कार्य तत्काल शुरू कर परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि लंबे समय से लंबित इस भवन निर्माण का लाभ क्षेत्र की जनता को मिल सके।

वन अधिकार दावों के निराकरण एवं MPFRA पोर्टल संचालन पर अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

डिंडौरी।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शनिवार को वन अधिकार दावों के निराकरण एवं नवीन MPFRA पोर्टल पर दावों के पंजीयन और प्रक्रिया के संबंध में प्रशिक्षण सह समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वनग्रामों के पंचायत सचिवों, वनरक्षकों, ग्राम स्तरीय वनाधिकार समितियों के अध्यक्ष एवं सचिव तथा रोजगार सहायकों को पोर्टल के संचालन और दावा प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई।प्रशिक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि लंबित वन अधिकार दावों के निराकरण के लिए 15 अगस्त 2026 से पहले वनाधिकार समितियों की बैठक आयोजित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही

नवीन MPFRA पोर्टल पर दावों के पंजीयन एवं अन्य प्रक्रियाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गएबैठक से पूर्व जिला स्तरीय वनाधिकार समिति के सचिव एवं सहायक आयुक्त राजेन्द्र जाटव ने अनुविभागीय अधिकारी (वन) डिंडौरी एवं शहपुरा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अमरपुर एवं समनापुर, वन परिक्षेत्र अधिकारी शाहपुर एवं समनापुर तथा नायब तहसीलदार शाहपुर सहित संबंधित अधिकारियों को पोर्टल की तकनीकी एवं प्रक्रियागत बारीकियों से अवगत कराया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजस्व, वन एवं पंचायत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा संबंधित क्षेत्रीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडला का किराया लिया, बीच रास्ते में उतारे यात्री, कैपिटल बस पर मनमानी के आरोप

डिंडौरी। जिले में निजी यात्री बसों के संचालन पर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं। करंजिया से मंडला जा रहे छह यात्रियों ने कैपिटल बस के चालक-परिचालक पर गंभीर लापरवाही और मनमानी का आरोप लगाया है। यात्रियों का कहना है कि उनसे मंडला तक का पूरा किराया वसूला गया, लेकिन डिंडौरी पहुंचने के बाद बस को आगे नहीं ले जाया गया और उन्हें बीच रास्ते में उतारकर सक्का से दूसरी बस मिलने की बात कह दी गई। हालांकि वहां पहुंचने पर घंटों इंतजार के बावजूद कोई बस नहीं आई।यात्रियों के अनुसार वे करंजिया से मंडला के लिए कैपिटल बस में सवार हुए थे। परिचालक ने सभी से मंडला तक का किराया लिया, लेकिन डिंडौरी पहुंचने पर यह कहकर बस से उतार दिया कि आगे की यात्रा दूसरी बस से कराई जाएगी।

इसके बाद सभी यात्रियों को ऑटो से सक्का भेज दिया गया।आरोप है कि सक्का पहुंचने के बाद दूसरी बस नहीं आई। महिला यात्रियों सहित सभी छह लोग लंबे समय तक सड़क किनारे इंतजार करते रहे। इस दौरान परिचालक से कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने फोन उठाना बंद कर दिया। इससे यात्रियों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।पीड़ित यात्रियों ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए मंडला तक का लिया गया किराया वापस दिलाने तथा संबंधित बस संचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि निजी बस संचालकों की मनमानी के कारण यात्रियों के अधिकारों का लगातार उल्लंघन हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से ऐसी घटनाएं बार-बार सामने आ रही हैं।उल्लेखनीय है कि जिले में निजी बसों की समयपालन, निर्धारित रूट पर संचालन और यात्रियों की सुविधा को लेकर पहले भी शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में यह घटना परिवहन व्यवस्था की निगरानी और जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करती है हालांकि, इस मामले में कैपिटल बस संचालक अथवा परिचालक का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है।

10 एकड़ में विकसित उद्यान नर्सरी में तैयार हो रहे फलदार व सजावटी पौधे, प्रचार-प्रसार के अभाव में सीमित पहुंच

संजय निकुंज देवरी में खिले रंग-बिरंगे गुलाब, आगंतुकों को कर रहे आकर्षित

हरिभूमि न्यूज अमरपुर।

जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम देवरी स्थित उद्यान विभाग की लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में विकसित संजय निकुंज नर्सरी इन दिनों रंग-बिरंगे गुलाब के फूलों से महक रही है। विभिन्न प्रजातियों के खिले गुलाब न केवल नर्सरी की सुंदरता बढ़ा रहे हैं, बल्कि यहां आने वाले आगंतुकों को भी अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं।नर्सरी परिसर में आम, अमरूद, नींबू और नाशपाती सहित विभिन्न फलदार पौधों का वृहद उद्यान विकसित किया गया है। विभागीय कर्मचारियों के अनुसार इन फलदार पौधों का विक्रय वर्षा ऋतु के दौरान किया जाता है, जिससे

किसानों एवं आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण पौधे उपलब्ध हो सकें।

नर्सरी में कार्यरत भीमसेन ठाकुर द्वारा विभिन्न रंगों और प्रजातियों के गुलाब की बडिंग (कलम) के माध्यम से पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इन पौधों का विक्रय भी किया जाता है। इसके अलावा कई अन्य प्रजातियों के सजावटी एवं उपयोगी पौधे भी बड़ी संख्या में तैयार किए गए हैं।हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि उद्यान विभाग द्वारा नर्सरी और यहां संचालित योजनाओं का पर्याप्त प्रचार-प्रसार नहीं किए जाने के कारण अधिकांश किसान और आम नागरिक इसकी जानकारी से वंचित हैं। यदि विभाग प्रभावी प्रचार-प्रसार करे तो अधिक से अधिक लोग नर्सरी का लाभ उठा सकेंगे और उद्यानिकी को बढ़ावा मिलेगा।

10 माह से बिना वेतन काम कर रही लैब टेक्नीशियन

कर्मचारी आईडी नहीं बनी तो अटक गई तनख्वाह

पुष्पराजगढ़ अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

आर्थिक तंगी में परिवार चलाना हुआ मुश्किल, सीएमएचओ से शिकायत कर मांगा लंबित वेतन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में मरीजों को बेहतर सेवाएं देने के दावे के बीच पुष्पराजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां पदस्थ लैब टेक्नीशियन बबिता बैगा पिछले करीब 10 माह से नियमित रूप से अपनी ड्यूटी कर रही हैं, लेकिन विभागीय स्तर पर कर्मचारी आईडी (एम्प्लाय आईडी) नहीं बनाए जाने के कारण उन्हें अब तक एक माह का भी वेतन नहीं मिल सका है। नियुक्ति के बाद लगातार अस्पताल में सेवाएं देने के बावजूद वेतन नहीं मिलने से महिला स्वास्थ्यकर्मी आर्थिक संकट से जूझ रही हैं। हालात इस कदर बिगड़ गए हैं कि परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना भी मुश्किल हो रहा है। परेशान होकर बबिता बैगा ने अब मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) अनूपपुर को लिखित शिकायत देकर विभागीय लापरवाही दूर कराने और लंबित वेतन का भुगतान कराने की मांग की है।

अक्टूबर 2025 से लगातार दे रही सेवाएं

बबिता बैगा के आवेदन के अनुसार उन्होंने 04 अक्टूबर 2025 से लैब टेक्नीशियन (रेगुलर) के रूप में स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं शुरू की थीं। कार्यभार संभालने के बाद से वह नियमित रूप से पुष्पराजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटी कर रही हैं। लैब टेक्नीशियन के रूप में अस्पताल आने वाले मरीजों की जांच संबंधी कार्यों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इसके बावजूद उनकी सेवा से जुड़ी मूलभूत प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। बताया गया कि कर्मचारी की एम्प्लाय आईडी वेतन भुगतान से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। बबिता बैगा की कर्मचारी आईडी नहीं बनने के कारण उनका वेतन भुगतान शुरू ही नहीं हो सका। एक-दो माह नहीं, बल्कि करीब 10 माह तक यह स्थिति बनी हुई है। इस दौरान वह नियमित रूप से अस्पताल पहुंचकर अपनी ड्यूटी करती रहीं, लेकिन हर महीने वेतन की उम्मीद के बाद भी उनके खाते में तनख्वाह नहीं पहुंची।

बार-बार अवगत कराने के बाद भी नहीं हुआ समाधान

शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्होंने अपनी समस्या को लेकर संबंधित अधिकारियों और विभागीय कर्मचारियों को कई बार जानकारी दी। हर बार समस्या के समाधान की उम्मीद रही, लेकिन अब तक कर्मचारी आईडी नहीं बनाई जा सकी। इसके चलते वेतन भुगतान भी लंबित है। लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण अब आर्थिक परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। लगातार 10 माह तक वेतन नहीं मिलने से बबिता बैगा के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उनका कहना है कि नौकरी के भरोसे परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने की उम्मीद थी, लेकिन लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण दैनिक जरूरतों के लिए भी परेशानी उठानी पड़ रही है। घर के खर्च, आवश्यक सामान और अन्य जरूरतों को पूरा करना मुश्किल हो गया है। आर्थिक दबाव के चलते मानसिक तनाव भी बढ़ता जा रहा है।

विभागीय व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

इस मामले ने स्वास्थ्य विभाग की प्रशासनिक व्यवस्था पर कई

सवाल खड़े कर दिए हैं। जब कर्मचारी ने 04 अक्टूबर 2025 से नियमित रूप से कार्यभार संभाल लिया था तो उसकी एम्प्लाय आईडी बनाने की प्रक्रिया समय पर क्यों पूरी नहीं की गई? नियुक्ति के बाद दस्तावेजों का सत्यापन, कर्मचारी का विभागीय रिकॉर्ड तैयार करना और वेतन भुगतान की प्रक्रिया पूरी करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। ऐसे में करीब 10 माह तक कर्मचारी आईडी नहीं बनना महज तकनीकी समस्या है या विभागीय स्तर पर गंभीर लापरवाही, यह जांच का विषय है।

मरीजों की जांच करने वाली कर्मचारी खुद व्यवस्था की जांच के इंतजार में

पुष्पराजगढ़ जैसे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लैब टेक्नीशियन की भूमिका महत्वपूर्ण है। अस्पताल में मरीजों की जांच और रिपोर्ट तैयार करने से जुड़े कार्यों के बीच कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं, लेकिन विडंबना यह है कि जो स्वास्थ्यकर्मी महीनों से मरीजों की सेवा कर रही है, वही अपने वेतन और कर्मचारी आईडी के लिए विभागीय दफ्तरों के चक्कर लगाने को मजबूर है। यदि समय पर प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी कर दी जाती तो आज उन्हें आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ता।

सीएमएचओ को सौंपा आवेदन, कार्रवाई की उम्मीद

लंबे समय से समस्या का समाधान नहीं होने के बाद बबिता बैगा ने अब सीएमएचओ अनूपपुर को लिखित आवेदन सौंपा है। उन्होंने मामले में तत्काल हस्तक्षेप करते हुए कर्मचारी आईडी बनवाने और 04 अक्टूबर 2025 से अब तक का लंबित वेतन दिलाने की मांग की है। महिला स्वास्थ्यकर्मी को उम्मीद है कि जिला स्वास्थ्य विभाग मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलब करेगा और जल्द से जल्द वेतन भुगतान की प्रक्रिया पूरी कराएगा।

जिम्मेदारों पर कार्रवाई की भी जरूरत

करीब 10 माह तक किसी कर्मचारी का वेतन सिर्फ कर्मचारी आईडी नहीं बनने के कारण अटका रहना विभागीय निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा करता है। यदि आवेदन में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो यह भी तय किया जाना चाहिए कि कर्मचारी की आईडी बनाने में देरी किस स्तर पर हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। केवल लंबित वेतन जारी करना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि ऐसी प्रशासनिक लापरवाही दोबारा न हो, इसके लिए जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है। अब देखना होगा कि सीएमएचओ को शिकायत मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और करीब 10 माह से बिना वेतन के सेवाएं दे रही लैब टेक्नीशियन बबिता बैगा को उनका लंबित वेतन कब तक मिल पाता है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 27 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

मेडिकल दुकानों पर की कार्रवाई, दो दुकानों को किया बंद

बड़े दिनों बाद खुली प्रशासन की नींद

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। जिले का सुप्त बना औषधि विभाग की निद्रा खुलती नजर आई। लंबे समय के बाद औषधि विभाग द्वारा गाडरवारा में कार्रवाई करते हुए दो मेडिकल दुकानों के संचालन को बंद कराया गया। ज्ञात हो कि जिले में संचालित हो रही मेडिकल दुकान शासन के नियमों को दरकिनार कर संचालित की जा रही है। जिस ओर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों द्वारा ध्यान नही दिया जाता है जिस कारण लोगों द्वारा कहा जाता है। जिले का औषधि विभाग सुप्त है। फिलहाल विगत दिवस प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कार्रवाई कर सिद्ध कर दिया कि विभाग की नींद खुल गई है।

दो मेडिकल दुकानों पर कार्रवाई

जिले में मेडिकल स्टोर्स का संचालन नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मार्गदर्शन में औषधि निरीक्षक देवेन्द्र कुमार जैन द्वारा गाडरवाडा क्षेत्र में आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स प्रान्जू मेडिकल स्टोर गायत्री वार्ड गाडरवाडा में पाया गया कि रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट सुश्री निधि पटेल की अनुपस्थिति में प्रोपा पार्थ विश्वास द्वारा औषधियों का क्रय-विक्रय किया जा रहा था, जो कि नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। साथ ही निरीक्षण के दौरान दुकान में निरीक्षण पुस्तिका उपलब्ध नहीं पाई गई तथा औषधियों का रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया गया। कैश मेमो भी नियमानुसार संधारित नहीं पाया गया। औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कुल 4 नमूने लिए गए, जिन्हें परीक्षण हेतु औषधि प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा

रहे हैं। उक्त अनियमितताओं के चलते मेडिकल स्टोर का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया। इसी क्रम में मेसर्स शिफा फार्मेसी पलोटनगंज गाडरवाडा का भी निरीक्षण किया गया, जहां रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट अर्जुन कौरव की अनुपस्थिति में दुकान संचालित पाई गई। निरीक्षण में औषधियों का संग्रहण संतोषजनक नहीं पाया गया तथा नारकोटिक्स सहित अन्य औषधियों का क्रय-विक्रय रिकॉर्ड नियमों के अनुरूप संधारित नहीं था। यहां भी निरीक्षण पुस्तिका अनुपस्थित पाई गई। जनस्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए उक्त मेडिकल स्टोर का संचालन भी बंद कराया गया। दोनों मेडिकल स्टोर्स को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के अंतर्गत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा आगामी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। औषधि निरीक्षक द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे मेडिकल स्टोर से औषधियां क्रय करते समय कैश मेमो बिल अवश्य प्राप्त करें, जिससे गुणवत्ता एवं वैधानिकता सुनिश्चित हो सके।

अप्रशिक्षित चला रहे मेडिकल दुकान

जिले मे अधिकांश दुकानों पर जाकर देखा जाए तो जिले की अनेकों में बिना डिग्रीधारी मेडिकल दुकान का संचालन करते मिल सकते है। जिससे समाज को नुकसान होने की संभावना हमेशा बनी रहती है। प्रशासन द्वारा उक्त ओर ध्यान नही दिया जाता है। जबकि जिले में कुछ गिनी चुनी दुकान ही है जहां पर प्रशासन के पूर्ण नियमों का पालन किया जा रहा है और दर्जनों की संख्या में मेडिकल दुकान संचालकों द्वारा नियमों को धता दिखा जाता है। प्रशासन को चाहिए कि समय - समय पर मेडिकल दुकानों की जांच की जाए जिससे अप्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा दुकानों का संचालन ना किया जा सके और लोगों को सही उपचार मिल सके। जिले का औषधि विभाग कभी कभार इक्का दुक्का कार्रवाई कर इति श्री कर लेता है और अप्रशिक्षित लोगों द्वारा धड़ल्ले से दुकानों का संचालन किया जाता रहता है। जो प्रशासन के नियमों के विरूद्ध है।

फार्मासिस्ट का होना आवश्यक

प्रशासन द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार दुकान का संचालन तभी हो सकता है जब रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट दुकान पर मौजूद रहे। लेकिन अनेकों दुकानदारों द्वारा लाइसेंस लेकर कर्मचारियों से दुकान का संचालन कराया जाता है और फार्मासिस्ट कभी कभार दुकान पर आते है कई ऐसे दुकानदार भी जो फोन पर पूछकर दवाई देते है। नियमानुसार यदि दुकान में फार्मासिस्ट मौजूद नही है तो दुकान बंद रखनी चाहिए। जबकि ऐसा जिले के कई मेडिकल दुकानदारों द्वारा नही किया जाता है कई दुकानदारों द्वारा फार्मासिस्ट के नाम पर लायसेंस ले लिया है और दुकान पर काम करने वाले कर्मचारियों को भी नही पता होता है दुकान का फार्मासिस्ट कौन है दुकान में केवल लाइसेंस टांग कर दुकान संचालित की जाती रहती है। जो पूरी तरह से नियम विरूद्ध है प्रशासन को चाहिए कि जिले में संचालित होने वाली दवाई दुकानों को समय समय पर निरीक्षण कर व्यवस्थित रूप से दुकानों का संचालन कराया जाए।

खबर संक्षेप

विकासखंड स्तरीय योगासन एवं मलखंब प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के निर्देशानुसार एवं वार्षिक कैलेंडर 2026 के तहत शनिवार को विकासखंड स्तरीय योगासन एवं मलखंब प्रतियोगिता का शुभारंभ असेंबली हॉल में उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में योग, शारीरिक दक्षता, अनुशासन एवं खेल भावना का विकास करना है। कार्यक्रम के दौरान जिला योग समिति एवं योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. के. चतुर्वेदी तथा जिला योग प्रभारी देवेन्द्र ढिमोले ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए योग और मलखंब को अनुशासित जीवन का आधार बताया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में संयोजक श्रीमती आशा नेमा, सह संयोजक पंकज नेमा, सचिव डॉ. अजिता वर्मा सहित अपील समिति के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। प्रतियोगिता में विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

शादी के नाम पर ठगी, एसपी से की शिकायत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में शादी का झांसा देकर सगाई और फलदान के नाम पर नकदी व जेवरात ऐंठने वाले एक गिरोह का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है कि कटनी जिले के विजयराघवगढ़ की एक ही युवती को दिखाकर जिले के लगभग 13 युवकों से लाखों रुपये की ठगी की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दो बिचैलियों ने अलग-अलग गांवों के युवकों से संपर्क कर युवती से रिश्ता तय कराया। इसके बाद सगाई व फलदान के एवज में प्रत्येक परिवार से 50 से 60 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के आभूषण ले लिए गए। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद जब परिजनों ने शादी की तारीख तय करने का प्रयास किया, तो बिचैलियों के फोन बंद मिले। विजयराघवगढ़ पहुंचकर पता करने पर पूरा मामला फर्जीवाड़ा साबित हुआ। पीड़ितों ने सगाई के दौरान के छायाचित्र और वीडियो प्रमाण के रूप में पुलिस को सौंपे हैं। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला जांच में लिया गया है। तेंदूखेड़ा सहित अन्य संबंधित थाना क्षेत्रों को विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए हैं।

समाजसेवी रमेशचंद्र चौरसिया 'राजकमल' का निधन

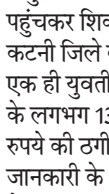

गोटेगांव। नगर के प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं वरिष्ठ नागरिक रमेशचंद्र चौरसिया 'राजकमल' का 77 वर्ष की आयु में अस्वस्थता के चलते निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही परिवार, शुभचिंतकों एवं नगरवासियों में शोक की लहर दौड़ गई।स्वर्गीय श्री चौरसिया सहज, सरल और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। वे चौरसिया ट्रांसपोर्ट के संचालक पंकज चौरसिया एवं मयंक चौरसिया के पूज्य पिता थे।उनकी अंतिम यात्रा में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार के उपरांत उपस्थित जनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

वाहन चालकों पर कार्रवाई, वाहनों से हटवाई गई ब्लैक फिल्म

नरसिंहपुर। जिले में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को विशेष ट्रैफिक अनुशासन अभियान चलाया गया। न्यायपालिका और प्रशासन की संयुक्त पहल पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जांच शिविर लगाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई। अभियान के तहत नरसिंहपुर, गाडरवारा, करेली, तेंदूखेड़ा, गोटेगांव और साइखेड़ा में न्यायिक अधिकारियों की मौजूदगी में जांच बिंदु बनाए गए। इस दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, सीट बेल्ट न लगाने तथा वाहनों में अवैध रूप से काली फिल्म लगाने वाले चालकों के चालान काटे गए और मौके पर ही ब्लैक फिल्म हटवाई गई। कार्रवाई के साथ ही अधिकारियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन और सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूक भी किया। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल चालानी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है।

प्रजापति समाज की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रजापति समाज की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें आगामी महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती उत्सव की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 10 अगस्त को बड़े पुल के समीप स्थित शंकर मंदिर में दोपहर 2 बजे से मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं तथा वरिष्ठ जनों का सम्मान

किया जाएगा, जिसके उपरांत भंडारा एवं महाप्रसादी का आयोजन होगा। बैठक के दौरान वरिष्ठ समाजसेवी छिदामी लाल प्रजापति ने सामाजिक एकजुटता और शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। वहीं सामाजिक नेता सुनील प्रजापति ने सभी सामाजिक बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

खेल और नवोन्मेष के संगम से निखरेगी युवा प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय बोहनी में दो दिवसीय क्लस्टर स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष एवं पर्यावरणविद डॉ. अनंत दुबे ने किया। अपने संबोधन

में उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण और समाज हित में समर्पित होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन में जबलपुर क्लस्टर के 10 जिलोंकृछिंदवाड़ा, जबलपुर, बैतूल, बुरहानपुर, हरदा, नरसिंहपुर, खंडवा और बालाघाट के लगभग 115 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत विद्यार्थियों ने नवीन तकनीक, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, सतत कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक के विकल्प, हरित ऊर्जा और जल संरक्षण जैसे विषयों पर मॉडल प्रस्तुत किए। इनमें से उत्कृष्ट मॉडलों का चयन क्षेत्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी के लिए किया जाएगा। इसी क्रम में आयोजित बैडमिंटन स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन भी क्षेत्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए होगा। उद्घाटन अवसर पर शासकीय पीजी कॉलेज के खेल अधिकारी अर्पित सक्सेना, गन्ना अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. बृज किशोर शर्मा, संजय निकुंज की प्रभारी नम्रता रघुवंशी, व्याख्याता चंद्रकांत साहू, अजय शर्मा एवं संजीव पालीवाल सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नरसिंहपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा रविवार को रेड क्रॉस भवन में एक दिवसीय सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन, विद्यार्थियों और स्वास्थ्य कर्मियों को आपातकालीन परिस्थिति में किसी व्यक्ति की जान बचाने के लिए आवश्यक जीवनरक्षक तकनीक का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल रहे, जबकि अध्यक्षता रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. अनंत दुबे ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष पंडित रामस्नेही पाठक उपस्थित थे। इस अवसर पर रेड क्रॉस चेयरमैन डॉ. अनंत दुबे ने बताया कि आगामी समय में विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी व्यापक स्तर पर सीपीआर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस तकनीक से अवगत हो सकें। मुख्य अतिथि जालम सिंह पटेल ने इस पहल की सराहना करते हुए सीपीआर ज्ञान को हर नागरिक के लिए उपयोगी बताया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव चांदोरकर एवं डॉ. रिपुदमन सिंह ने हृदय गति रुकने की स्थिति में सही तकनीक और सावधानियों की जानकारी देते हुए लाइव डेमो प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स और स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए सुरेश राय, बुद्धिप्रकाश विश्वकर्मा और मनीष शर्मा को सम्मानित किया गया।

महिला की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले की बरमान चौकी क्षेत्र में एक महिला की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतका के पति ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। आवेदन के अनुसार महिला घर से लापता हो गई थी, जिसकी सूचना परिजनों ने एक संदिग्ध व्यक्ति का नाम बताते हुए पुलिस को दी थी। पति का आरोप है कि महिला स्वयं चौकी पहुंची थी और उसकी तबीयत खराब होने के बावजूद पुलिस ने उसे घंटों वहीं बैठाए रखा, समय पर इलाज नहीं कराया। स्थिति गंभीर होने पर जब उसे

अस्पताल ले जाया गया, तो चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने सादे कागजों पर हस्ताक्षर कराने तथा मारपीट की आशंका भी व्यक्त की है। मामले में वास्तविक स्थिति का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल निष्पक्ष जांच की प्रक्रिया जारी है और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जांच रिपोर्ट के आधार पर आगामी कानूनी कार्रवाई की बात कही जा रही है।

किराना एवं दाल-चावल व्यापारी संघ की नई कार्यकारिणी गठित, सत्यप्रकाश अग्रवाल बने अध्यक्ष

गोटेगांव। होटल श्रेया में आयोजित किराना एवं दाल-चावल व्यापारी संघ की बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।संरक्षक के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी इंजीनियर सरदार सिंह पटेल को चुना गया। मार्गदर्शक मंडल में दिलीप जैन, लंकेश जैन, मनीष जैन, विकास बड़कुल, नीरज जैन एवं आनंद अग्रवाल को शामिल किया गया।नई कार्यकारिणी इस प्रकार है:अध्यक्षः सत्यप्रकाश अग्रवाल (टिंकू)उपाध्यक्षः संदीप अग्रवाल, आशीष कुमार जैन (दानी)महामंत्रीः विशाल बड़कुल (सोनू)कोषाध्यक्षः अमरनाथ अग्रवालमीडिया प्रभारीः गोलू साहूकार्यकारिणी सदस्यः आशीष जैन (अज्जू), विपिन साहू, मोहित दसवानी, अंकित जैन, आशीष जैन (विद्या जनरल) सहित अन्य सदस्य।बैठक में व्यापारियों एवं ट्रांसपोर्टरों के बीच चल रही समस्याओं के समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी गतिविधियों की रूपरेखा भी तय की गई।नवनियुक्त अध्यक्ष सत्यप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि नई कार्यकारिणी व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेगी तथा व्यापार एवं परिवहन से जुड़ी समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देगी। बैठक में बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

न्यायिक मजिस्ट्रेट ने नियम तोड़ने वालों के ऑन द स्पॉट कटे चालान

अबाध गति से वाहन चालकों को दी हियादतें

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रशासन ने अब पूरी तरह से कमर कस ली है। इसी सिलसिले में विगत दिवस राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग तथा नागपुर झांसी राजमार्ग क्रमांक 44 पर एक बड़ा और सख्त नजारा देखने को मिला जब सिविल न्यायालय तेंदूखेड़ा के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शिवाकांत कुशवाहा खुद पुलिस टीम के साथ सड़क पर उतरे। मजिस्ट्रेट की इस औचक चेकिंग से नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मच गया।दस्तावेजों की हुई बारीकी से जांच की अवैध नंबर प्लेटों पर कार्रवाई की गई।मजिस्ट्रेट कुशवाहा ने स्वयं मोर्चे पर खड़े होकर दोपहिया और चार पहिया वाहनों को रुकवाया इस दौरान चालकों के हेलमेट सीटबेल्ट और वाहनों के वैध दस्तावेजों की सघन जांच की गई। लापरवाही बरतने वाले और बिना हेलमेट सीटबेल्ट के मिले वाहन चालकों को मजिस्ट्रेट ने मौके पर ही कड़ी फटकार लगाई और भविष्य में यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ऑन द स्पॉट चालानी कार्रवाई कर जुर्माना भी वसूला गया। इसके अलावा वाहनों पर लगी अवैध वीआईपी स्टाइल की नंबर प्लेटों पर भी नियमानुसार डंडा चला।

कानफोड़ साइलेंसरों पर भी कसा शिकंजा इस चेकिंग अभियान के दौरान शांति भंग करने वाले और मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर सड़कों पर फर्राटा भरने वाले हुड़दंगियों पर भी विशेष गाज गिरी। पुलिस ने ऐसे कई दोपहिया वाहनों को पकड़ा जिनके साइलेंसर से तेज

और कानफोड़ू आवाजें आ रही थीं। मजिस्ट्रेट के निर्देश पर इन तेज साउंड वाले साइलेंसरों के खिलाफ भी कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की गई। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात को सुरक्षित बनाने के लिए नियमों का पालन कोई औपचारिकता नहीं बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। बिना हेलमेट और सीटबेल्ट के गाड़ी चलाना खुद की और दूसरों की जान को खतरे में डालना है। जिम्मेदार नागरिक बनें और नियमों को अपनी आदत में लाएं। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ने हमारे प्रतिनिधि को जानकारी देते हुए बताया कि आगे भी यह अभियान जारी रहेगा इस अभियान स्थानीय लोगों ने की सराहना की है। पुलिस बल ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने साफ संदेश दिया कि यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और इस तरह की औचक कार्रवाइयां आगे भी लगातार जारी रहेंगी।मजिस्ट्रेट के इस कड़े रुख और ऑन-रोड एक्शन की स्थानीय जनता ने जमकर सराहना की है। लोगों का मानना है कि ऐसे जमीनी अभियानों से न सिर्फ सड़क हादसों में कमी आएगी। बल्कि तेज आवाज वाले पटाखों जैसे साइलेंसरों से मिलने वाले ध्वनि प्रदूषण और न्यूसेंस से भी आम जनता को राहत मिलेगी।

मन शरीर और आचरण को पवित्र कर समाज के योग्य बनाना ही संस्कार*

तेंदूखेड़ा प्रत्येक व्यक्ति को उसके शरीर की शुद्धता के साथ मन वाणी और उत्तम आचरण के द्वारा शुद्ध नाने में संस्कारों की महती भूमिका है। गर्भाधान संस्कार पुंसवन सीमंतोन्नयन जातकर्म नामकरण संस्कार निष्क्रमण अन्नप्राशन चूणाकर्म कर्णवेध विद्यारंभ उपनयन वेदारम्भ केशान्त समावर्तन विवाह अन्त्येष्टि संस्कार आदि सोलह संस्कार हमारे लिए ऋषि परम्परा से प्राप्त हैं। प्रत्येक संस्कार आध्यात्मिक और वैज्ञानिकता की कसौटी पर खरे हैं।उक्ताशय के उद्गार संस्कार सेवा आश्रम श्रीधाम वृन्दावन में चल रहे श्रीमद् भागवत साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास आचार्य चतुष्टय प्रमोद पचौरी ने व्यक्त किए। भगवान कृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ विभिन्न प्रकार की वाल लीलाएं वृन्दावन में हुईं।महारास के माध्यम से गोपियों को आनंद प्रदान किया।रास भगवान की अंतरंग लीला है जो उनके लीला धाम में उनके निजस्वरुपभूत भक्तों के साथ नित्य होती है। मथुरा में कंस का उद्धार किया। वसुदेव जी ने कृष्ण बलराम को उत्तम शिक्षा और संस्कारवान बनाने के लिए उज्जैन में सांदीपनि गुरु के यहां भेजा। यद्यपि भगवान विश्व गुरु हैं लेकिन जनसामान्य को सुंदर संदेश देने के लिए गुरु आश्रम में रहकर विद्याध्ययन किया। जरासंध को अनेकों बार पराजित करके रणछोड़ बनकर समुद्र के बीच द्वारिकापुरी बसाई। प्रतिष्ठित कोठारी परिवार द्वारा आयोजित भागवत कथा में कथा व्यास ने रुक्मिणी के साथ भगवान कृष्ण के विवाह का वर्णन किया। आकर्षक झांकियों के साथ रुक्मिणी मंगल का आयोजक परिवार के साथ उनके रिश्तेदार मित्र मंडल और क्षेत्रीय लोगों ने आनंद लिया।

उमरा को जोड़ने वाली पुलिया क्षतिग्रस्त, ट्रैक्टर पलटते-पलटते बचा, स्कूली वैन का आवागमन प्रभावित, ग्रामीणों ने तत्काल मरम्मत की मांग की

गोटेगांव। तहसील गोटेगांव के ग्राम उमरा पंचायत देवरी कला को प्रधानमंत्री सड़क से जोड़ने वाला कच्चा मार्ग इन दिनों ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। जितेंद्र बाथरे के खेत के पास बनी पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे आवागमन जोखिम भरा हो गया है।रविवार को ग्राम रामनिवारी निवासी आकाश रजक का ट्रैक्टर पुलिया से गुजरते समय पलटते-पलटते बच गया। समय रहते हादसा टल गया, लेकिन घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है।ग्रामीणों के अनुसार इसी मार्ग से प्रतिदिन 4 से 5 स्कूल वैन गुजरती हैं, जिनसे उमरा के बच्चे गोटेगांव के विद्यालयों में पढ़ने जाते हैं। पुलिया की जर्जर स्थिति के कारण अब वैन संचालकों ने इस मार्ग से आवागमन बंद कर दिया है, जिससे दर्जनों विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका है।अभिभावकों एवं ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में पुलिया और अधिक खतरनाक हो गई है। उन्होंने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से पुलिया की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि बच्चों और किसानों का आवागमन सुरक्षित हो सके।